कलरव

3

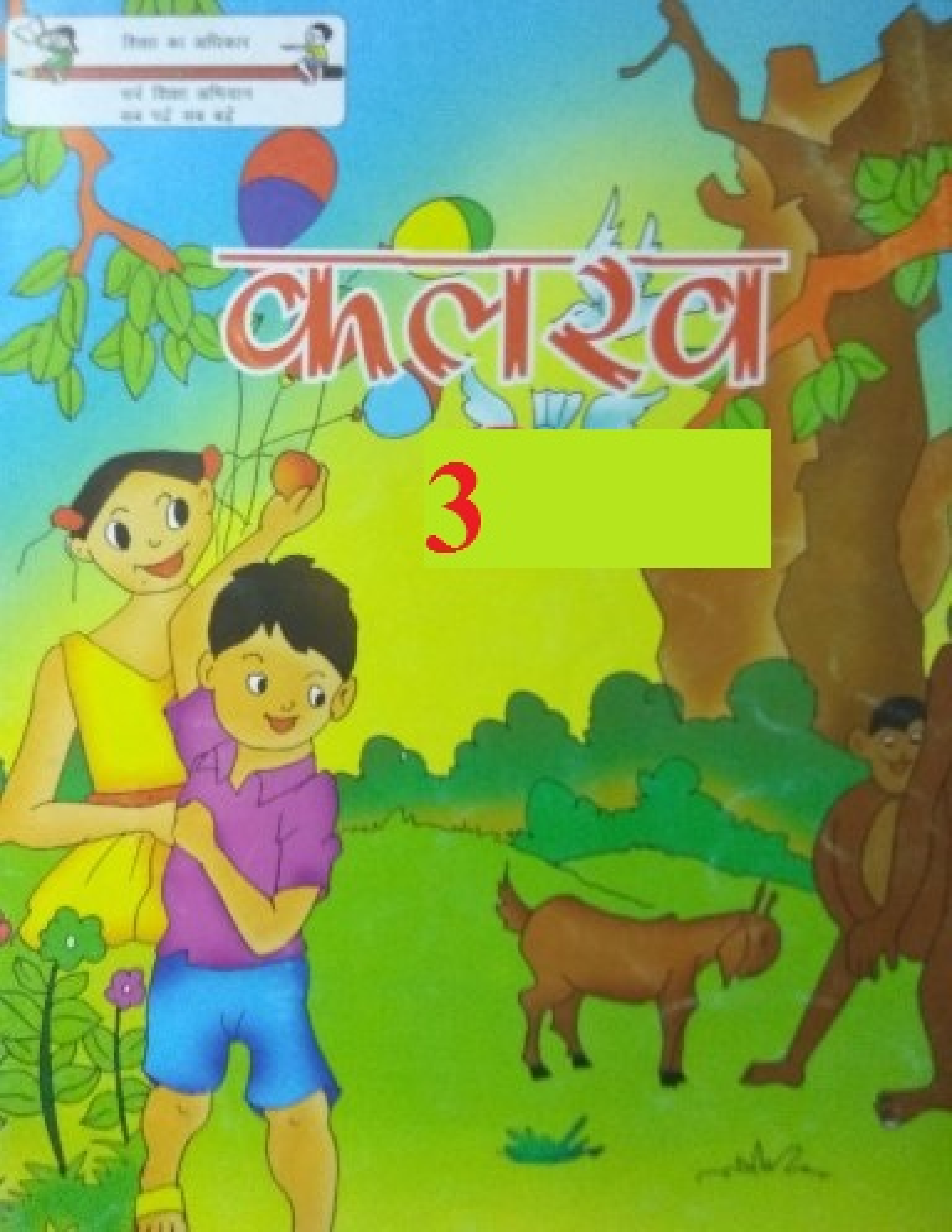

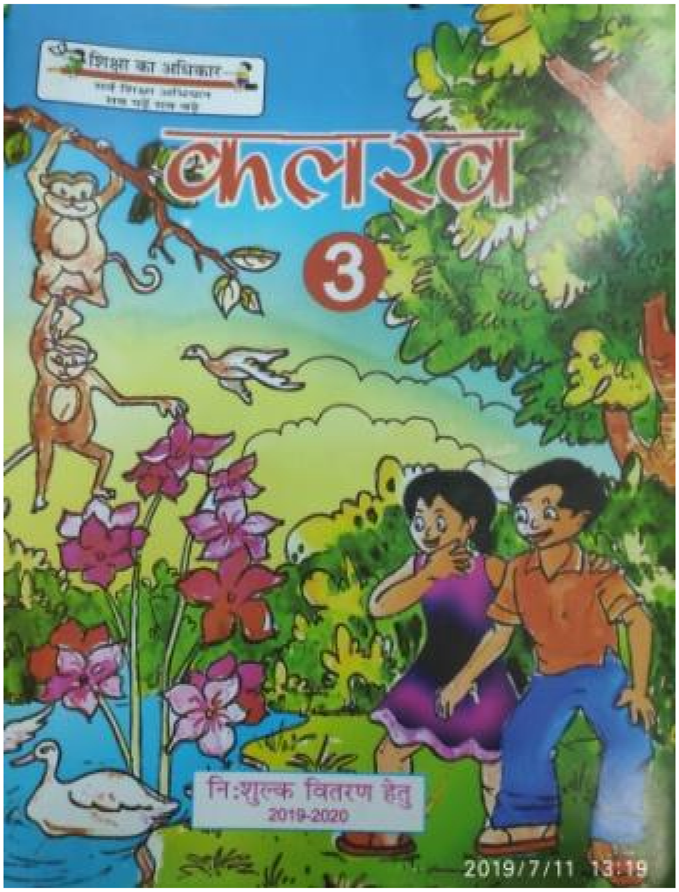
शिक्षा का अधिकार
कलरव
3
नि:शुल्क वितरण हेतु
2019-2020
2019/7/11 13:19

E-BOOKS DEVELOPED BY

1. Dr.Sanjay Sinha Director SCERT,U.P,Lucknow
2. Ajay Kumar Singh J.D.SSA,SCERT,Lucknow
3. Alpa Nigam (H.T) Primary Model School, Tilauli Sardarnagar,Gorakhpur
4. Amit Sharma (A.T) U.P.S, Mahatwani ,Nawabganj, Unnao
5. Anita Vishwakarma (A.T) Primary School ,Saidpur,Pilibhit
6. Anubhav Yadav (A.T) P.S.Gulariya,Hilauli,Unnao
7. Anupam Choudhary (A.T) P.S,Naurangabad,Sahaswan,Budaun
8. Ashutosh Anand Awasthi (A.T) U.P.S,Miyanganj,Barabanki
9. Deepak Kushwaha (A.T) U.P.S,Gazaffarnagar,Hasanganz,unnao
10. Firoz Khan (A.T) P.S,Chidawak,Gulaothi,Bulandshahr
11. Gaurav Singh (A.T) U.P.S,Fatehpur Mathia,Haswa,Fatehpur
12. Hritik Verma (A.T) P.S.Sangramkheda,Hilauli,Unnao
13. Maneesh Pratap Singh (A.T) P.S.Premnagar,Fatehpur
14. Nitin Kumar Pandey (A.T) P.S, Madhyanagar, Gilaula , Shravasti
15. Pranesh Bhushan Mishra (A.T) U.P.S,Patha,Mahroni Lalitpur
16. Prashant Chaudhary (A.T) P.S.Rawana,Jalilpur,Bijnor
17. Rajeev Kumar Sahu (A.T) U.P.S.Saraigokul, Dhanpatganz ,Sultanpur
18. Shashi Kumar (A.T) P.S.Lachchhikheda,Akohari, Hilauli,Unnao
19. Shivali Gupta (A.T) U.P.S,Dhaulri,Jani,Meerut
20. Varunesh Mishra (A.T) P.S.Madanpur Paniyar,Lambhua,Sultanpur

क्या - कहाँ

1	प्रार्थना	10
2.	मुर्गा और लोमड़ी	11
3	बादल किसके कारण ?	14
4.	तालाब में चाँद	16
5.	साहसी सीमा	18
	कितना सीखा ?	23
6.	सबसे पहले	25
7.	इसमें क्या राज है ?	28
	अपने आप 1 – खरगोश और हाथी	31
8.	अगर पेड़ भी चलते होते	32
9.	वाराणसी की यात्रा	34
10.	बंदर– बाँट	37
	कितना सीखा ?	42
11.	पहेलियाँ	43
	अपने आप 2 – भलाई की जीत	46
12.	चाँद का कुर्ता	47
13.	सीख	48
	कितना सीखा ?	52
14.	माथापच्ची	53
15.	जड़ और फूल	55
16.	घुमक्कड़ तारक	58
	अपने आप 3 – मीठे बोल	61
17.	लोकगीत	62
18.	पत्र	64
19.	सुभाष चन्द्र बोस	66
20.	भारत है मेरा घर	70
21.	घमंडी का मान	74
	अपने आप 4 – मेजर शैतान सिंह	78
	कितना सीखा?	78

प्रार्थना

31U3F4

देश की माटी देश का जल
हवा देश की देश के फल
सरस बनें प्रभु सरस बनें।

देश के घर और देश के घाट
देश के वन और देश के बाट
सरल बनें प्रभु सरल बनें।

देश के तन और देश के मन
देश के घर के भाई–बहन
विमल बनें प्रभु विमल बनें॥

– गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर

❋ कक्षा में और प्रार्थना स्थल पर कविता का हाव–भाव के साथ कई बार सस्वर पाठ कराएँ। इस प्रकार की अन्य रचनाएँ भी संकलित कराएँ।

पाठ 2

मुर्गा और लोमड़ी

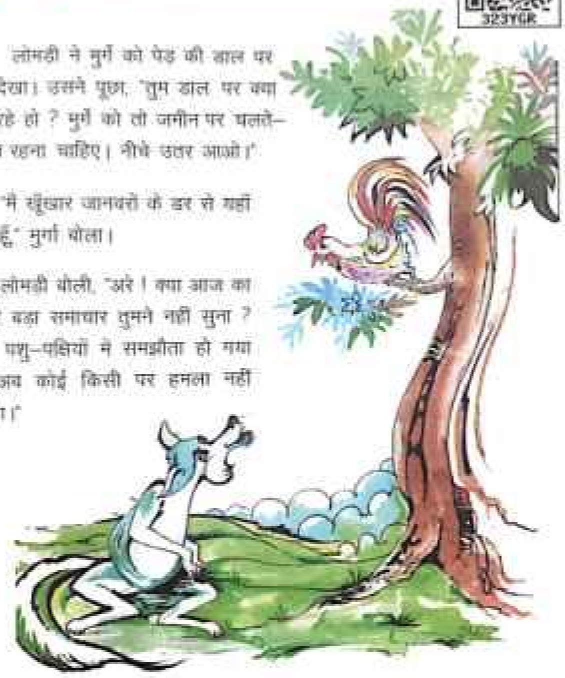

लोमड़ी ने मुर्गे को पेड़ की डाल पर बैठे देखा। उसने पूछा, "तुम डाल पर क्या कर रहे हो ? मुर्गे को तो जमीन पर चलते–फिरते रहना चाहिए। नीचे उतर आओ।"

"मैं खूँखार जानवरों के डर से यहाँ बैठा हूँ," मुर्गा बोला।

लोमड़ी बोली, "अरे ! क्या आज का सबसे बड़ा समाचार तुमने नहीं सुना ? सभी पशु–पक्षियों में समझौता हो गया है। अब कोई किसी पर हमला नहीं करेगा।"

मुर्गे ने कहा, "यह तो वास्तव में दुनिया का सबसे अच्छा समाचार है।" कहते–कहते उसने अपनी गरदन उठाकर देखा, जैसे दूर की कोई चीज देख रहा हो।

"क्या देख रहे हो ?" लोमड़ी ने पूछा।

मुर्गा बोला, "कुछ नहीं, कुछ नहीं। पता नहीं क्यों, कुछ शिकारी कुत्ते तेजी से इस ओर दौड़े चले आ रहे हैं।"

"ऐसी बात है ? अच्छा, क्षमा करना मित्र, मैं चली," लोमड़ी घबराकर बोली।

"अरे ! तुम घबरा क्यों रही हो ? तुम्हें क्या डर है ? पशु–पक्षियों में तो समझौता हो गया है न," मुर्गा बोला।

"सच है," लोमड़ी बोली, "परंतु लगता है, शिकारी कुत्तों ने अभी यह समाचार नहीं सुना।"

— *सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'*

अभ्यास

1. उत्तर लिखो–

   क. पेड़ की डाल पर बैठे मुर्गे से लोमड़ी ने क्या कहा ?

   ख. लोमड़ी की बात सुनकर मुर्गे ने–

   - क्या कहा ? ....
   - क्या किया ? ....

2. किसने, किससे कहा–

   क. सभी पशु–पक्षियों में समझौता हो गया है ....

   ख. कुछ शिकारी कुत्ते तेजी से इस ओर दौड़े चले आ रहे हैं ....

   ग. लगता है, शिकारी कुत्तों ने अभी यह समाचार नहीं सुना ....

3. लोमड़ी के जाने के बाद मुर्गा पेड़ से नीचे उतरा। उसने पूरी घटना अपने मित्रों को बताई। सोचो और लिखो– मित्रों ने मुर्गे से क्या क्या सवाल किए होंगे ?

   ....

   ....

4. कहानी का नाम है– मुर्गा और लोमड़ी। तुम इस कहानी को क्या नाम दोगे ?

   ....

5. हमें किन किन माध्यमों से समाचार प्राप्त होते हैं ? ....

6. कहानी पर कक्षा में अभिनय करो।

7. लोमड़ी अथवा मुर्गे का चित्र बनाओ।

8. बनाओ अपना अखबार– अपने गाँव, स्कूल और आस–पास की खबरें साफ–साफ कागज पर लिख लो। खबरें चार्ट पेपर पर चिपका दो। कुछ चित्र भी बनाओ। अपने इस अखबार का एक नाम भी रखो। अखबार को कक्षा की दीवार पर चिपका दो।

बच्चों को विपत्ति के समय सूझ–बूझ के प्रयोग पर आधारित अन्य कहानियाँ सुनाएँ। कोई दैनिक अखबार देकर बच्चों से क्षेत्र की खबरें खोजवाएँ। बाल अखबार बनवाएँ।

पाठ 3

बादल किसके काका

अभी–अभी थी धूप, बरसने लगा कहाँ से यह पानी,
किसने फोड़ घड़े बादल के, की है इतनी शैतानी।
सूरज ने क्यों बंद कर लिया, अपने घर का दरवाजा,
उसकी माँ ने भी क्या उसको, बुला लिया कहकर 'आ जा'।
जोर–जोर से गरज रहे हैं, बादल हैं किसके काका,
किसको डाँट रहे हैं, किसने कहना नहीं सुना माँ का ?

– सुभद्रा कुमारी चौहान

अभ्यास

1. उत्तर लिखो–

क. कविता में किस मौसम का वर्णन किया गया है ?

ख. सूरज क्यों नहीं दिखाई दे रहा है ?

2. बताओ, बारिश में–

- तुम क्या–क्या करते हो ?
- तुम्हें क्या–क्या करने से मना किया जाता है ?
- क्यों मना किया जाता है?

3. एक दिन बादलों ने बैठक की। कुछ बादल बोले– जब हम खूब बरसते हैं तब लोग चिल्लाते हैं, जब नहीं बरसते तब भी। क्यों न हम बरसना ही बंद कर दें। बिल्कुल सही, बरसना बंद आज से ही – सारे बादल बोले। सोचो और बताओ – इसके बाद क्या–क्या हुआ होगा ?

4. सूरज को 'दिनकर' भी कहते हैं। पता करो इनको और क्या–क्या कहते हैं–

पानी .... बादल ....

5. इसे भी पढ़ो–

अम्मा जरा देख तो ऊपर, चले आ रहे हैं बादल,
गरज रहे हैं, बरस रहे हैं, दीख रहा है जल ही जल।
हवा चल रही क्या पुरवाई, झूम रही डाली–डाली,
ऊपर काली घटा घिरी है, नीचे फैली हरियाली।
भीग रहे हैं खेत, बाग, वन, भीग रहे हैं घर, आँगन,
बाहर निकलूँ मैं भी भीगूँ, चाह रहा है मेरा मन।

❀ बच्चों को अन्य ऋतुओं से संबंधित कविताएँ सुनाएँ। पर्यायवाची शब्दों की जानकारी दें।

पाठ 4

तालाब में चाँद

32L0K2

बंदरों ने तालाब में चमकता चाँद देखा। उन्हें चाँद को पकड़ने की सूझी।

"अरे देखो ! तालाब में चाँद ! चलो पकड़ते हैं।"

एक बंदर चाँद पकड़ने को कूदा। पर चाँद हाथ नहीं आया।

"अरे ! कहाँ गायब हो गया चाँद ? लगता है मेरे कूदने से डर गया"- बंदर बोला।

फिर उन्होंने एक योजना बनाई – "चलो एक दूसरे का हाथ पकड़ कर लटकते हैं और धीरे से पकड़ते हैं चाँद को।"

अचानक डाल टूटी।
एक बंदर का हाथ छूटा,
और बंदर मगरमच्छ की
पीठ पर गिरे।
भागो रे– एक बंदर बोला।
डरो मत, मेरी पूँछ पकड़ लो–
मगरमच्छ बोला। बंदर बोले–
मगर, अगर ...

अभ्यास

1. उत्तर दो –

   क. बंदरों ने चाँद को क्यों पकड़ना चाहा ?

   ख. चाँद को पकड़ने के लिए बंदरों ने क्या योजना बनाई ?

   ग. तालाब में चाँद था या कुछ और ?

2. कहानी को आगे बढ़ाओ –

   बंदर बोले– मगर, अगर ....

   ....

   ....

3. देखो करके – एक बड़ी थाली या परात में पानी भरो। पानी भरने के बाद उसमें देखो। क्या दिख रहा है ?

4. बंदरों ने चाँद को पकड़ने के लिए एक दूसरे का हाथ पकड़ा। आप कुछ ऐसे खेल खेलते होंगे, जिनमें एक दूसरे का हाथ पकड़ना होता है। उन खेलों के नाम लिखो– ....

   ....

5. तुम भी एक चित्रकथा बनाओ जिसमें बिल्ली, चूहा, तोता और आम हों।

6. जीतू ने मेले में देखा अजब गजब तमाशा। शीशे में जीतू कहीं दुबला, कहीं

मोटा। कहीं लम्बा, कहीं छोटा। खूब हँसा जीतू। मैं ऐसा कैसे– जीतू बोला? क्योंकि शीशे वैसे– जिया बोली।

क्या तुमने भी कभी ऐसा तमाशा देखा है ?

कहाँ .... कब ....

7. कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ।

चित्रकथा बनाने में बच्चों की सहायता करें। प्रतिबिंब/परछाईं के बारे बताएँ।

पाठ 5

साहसी सीमा

32VLLP

रात का समय था। सीमा और उसका छोटा भाई घर में अकेले थे। सीमा के माता–पिता तीज का सामान लेकर उसकी दीदी के घर गए थे।

अचानक शोर सुनकर सीमा उठी। बाहर हल्ला हो रहा था, "भागो – भागो, बचाओ–बचाओ, गाँव में बाढ़ आ गई है।" सीमा ने दरवाजा खोला। बरामदे में तेजी से पानी बढ़ रहा था। वह भाग कर कमरे में लौटी और छोटे भाई को जगाया। सीमा और उसका भाई घर का सामान ऊँची जगहों पर रखने लगे। देखते ही देखते बाहर का पानी कमरों में भरने लगा। थोड़ी ही देर में पानी कमर तक आ गया।

सीमा बरामदे में आई तो उसे लगा कि वह पानी में डूब जाएगी। सीढ़ी लगाकर उसने तुरंत अपने भाई को छत पर चढ़ाया और स्वयं भी तेजी से ऊपर चढ़ गई। उसने अपने माता–पिता को फोन किया, पर बात न हो सकी।

सीमा छोटे भाई के साथ **रात भर छत पर बैठी रही।** वह बार–बार छोटे भाई को ढाँढस बँधाती रही। दूर तक चारों ओर पानी ही पानी था। **सभी को अपनी जान बचाने की पड़ी थी, उनका ध्यान किसे आता !**

सुबह हुई। सीमा और उसका भाई घर की छत पर बैठे चारों ओर देख रहे थे। सीमा ने पड़ोस वाले रहीम चाचा को आवाज दी। रहीम चाचा ने सीमा और उसके भाई को किसी तरह अपनी छत पर चढ़ाया।

दोपहर में बचाव कार्य के लिए दो नाव और एक मोटरबोट आई। एक नाव में कुल पन्द्रह लोग बैठ सके। सीमा और उसका भाई भी उसी नाव से सुरक्षित जगह पर पहुँचे। उसके माता–पिता भी वहाँ आ चुके थे। बच्चों से मिलकर वे बहुत खुश हुए।

अभ्यास

1. **सोचो और लिखो –**

   क. सीमा के माता–पिता कहाँ गए थे ?

   ख. सीमा ने घर के किन–किन सामानों को ऊँचाई पर रखा होगा ?

   ग. सीमा की अपने माता–पिता से फोन पर बात क्यों नहीं हो पाई ?

   घ. माता पिता से मिलने पर सीमा की क्या क्या बातें हुई होंगी?

2. आपदाएँ अचानक आती हैं, जैसे - भूकम्प, बाढ़, आग लग जाना, बादल फटना, बिजली गिरना। सोचो और बताओ– ऐसे समय में हमें क्या–क्या करना चाहिए?

3. रात को 'रात्रि' भी कहते हैं, इसी प्रकार दरवाजा को 'द्वार'। नीचे दिए गए शब्दों को और क्या–क्या कहते हैं, लिखो–

   नाव भाई गाँव काम घर

4. कोई आपदा आने पर तुम अपने घर की कौन सी वस्तु पहले बचाओगे? क्यों ?

5. 'सीमा उठी' 'दरवाजा खोला' 'घर में लौटी'– इन वाक्यों में 'उठी', 'खोली', 'लौटी' शब्दों से किसी कार्य के होने का पता चल रहा है। जिन शब्दों से किसी कार्य के होने का पता चलता है, उन्हें 'क्रिया शब्द' कहते हैं। दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटो–

वाक्य	क्रिया शब्द
क. सीमा बरामदे में आई।	....
ख. रात भर छत पर बैठी रही।	....
ग. वह चारों ओर देख रही थी।	....

6. शब्दों को पढ़ो और अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

   अचानक ....

   खुश ....

   सुरक्षित ....

   सीढ़ी ....

7. पूछो और पता लगाओ –

   क. नाव और मोटरबोट में क्या अंतर है ?

   ख. बाढ़ किन–किन कारणों से आती है ?

   ग. बाढ़ से क्या–क्या नुकसान होता है ?

8. सोचो और लिखो– बाढ़ खत्म हो जाने पर गाँव में क्या दृश्य रहा होगा ? .

   ....

   ....

9. मैं, तुम, वह, यह, आदि वे शब्द हैं जो संज्ञा शब्दों के स्थान पर आते है। इन्हें सर्वनाम शब्द कहते हैं। इस पाठ में आए उन शब्दों को छाँटो जो सर्वनाम शब्द है।

10. 'सीमा बरामदे में आई तो उसे लगा कि वह पानी में डूब जाएगी।' इसी आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा करो –

   क. अहमद छत पर खड़ा था। अचानक जोर से हवा चलने लगी। उसे लगा कि ....

   ख. गाँव में आग लग गई। शबाना घर में सोई थी। जैसे ही वह बाहर निकली तो उसे लगा कि ....

11. तुम्हारे पास–पड़ोस में भी कोई ऐसी घटना हुई होगी, जब किसी बच्चे ने सीमा की तरह बहादुरी का परिचय दिया होगा। उस घटना को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखो।

❁ बच्चों को किसी घटना का अपने शब्दों में वर्णन करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनको बाढ़ के कारणों, नुकसान तथा नाव और मोटरबोट के अंतर के बारे में बताएँ। आपदा प्रबन्धन पर चर्चा करें।

कितना सीखा ?

1. बोलकर सुनाओ–

दरवाजा, पुरवाई, सुरक्षित, चिंतित, योजना, शैतानी, वास्तव, समझौता

2. नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ लिखो –

माटी	जल	जगत	खुश	सुलह	खबर
....	....	....	....	....	....

3. शब्दों से वाक्य बनाओ –

सुरक्षित ....

बादल ....

गाँव ....

चिंता ....

भयानक ....

4. शब्दों के समान अर्थ वाले (समानार्थी) दो–दो शब्द लिखो–

सूरज ....

हवा ....

चाँद ....

5. नीचे दिए गए स्थान में तीन–तीन संज्ञा शब्दों को लिखो–

	वस्तुओं के नाम	प्राणियों के नाम	स्थान/जगहों के नाम
जैसे–	गेंद	कुसुम	लखनऊ
	....	....	....
	....	....	....

6. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम (विपरीत अर्थ वाले) शब्द लिखो –

दिन	....	बहादुर	....
उदास	....	डूबना	....

7. कहानी सुनाओ– मुर्गा और लोमड़ी की।

8. उत्तर दो–

क. मुर्गे ने लोमड़ी से क्यों कहा कि शिकारी कुत्ते इस ओर दौड़े आ रहे हैं?

ख. बंदरों ने चाँद पकड़ने के लिए क्या योजना बनाई ?

ग. अगर पेड़ की डाल न टूटी होती, तो क्या होता ?

घ. सीमा ने बाढ़ के पानी से बचाव कैसे किया?

ङ. सीमा की जगह तुम होते तो क्या करते ?

9. पढ़ो और उत्तर दो –

गुब्बारे वाला ऊँची आवाज लगाकर गुब्बारे बेच रहा था– गुब्बारे ले लो, गुब्बारे ले लो। दोपहर तक उसका एक भी गुब्बारा नहीं बिका। वह बहुत निराश हो गया था। तभी उसे एक कार आती दिखाई दी। वह फिर ऊँची आवाज में बोला– 'गुब्बारे ले लो'। कार उसके पास आकर रुक गई।

कार से उतरे आदमी ने गुब्बारे वाले से पूछा– "बाबा! आज कितने गुब्बारे बिके"? गुब्बारे वाले ने कहा– "एक भी नहीं"। कार वाले ने पूछा– "आपके गुब्बारे कुल कितने रुपये के हैं"? "सिर्फ 100 रुपये के", गुब्बारे वाला बोला। कार वाले ने 100 रुपये देकर सारे गुब्बारे खरीद लिए और मैदान में खेल रहे बच्चों में बाँट दिए।

बताओ–

- गुब्बारे वाला क्या आवाज लगा रहा था?
- "बाबा! आज कितने गुब्बारे बिके"? यह किसने पूछा?
- एक भी गुब्बारा नहीं बिका, सुनकर कार वाले ने क्या किया?
- सारे गुब्बारे बिक जाने पर गुब्बारे वाले ने अपने मन में क्या सोचा होगा?
- कार वाले ने गुब्बारे बच्चों को क्यों दिए?

सबसे पहले

335HNC

आज उठा मैं सबसे पहले।
सबसे पहले आज सुनूँगा
चिड़िया का डैनें फड़काकर
चहक-चहक कर उड़ना 'फर-फर'
देखूँगा पूरब में फैले
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा मैं सबसे पहले।

सबसे पहले आज चुनूँगा
पौधे-पौधे की डाली पर
फूल खिले जो सुंदर-सुंदर
देखूँगा पूरब में फैले
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा मैं सबसे पहले।

सबसे कहता आज फिरूँगा
कैसे पहला पत्ता डोला
कैसे पहला पंछी बोला
कैसे पूरब ने फैलाए
बादल पीले, लाल, सुनहले।
आज उठा मैं सबसे पहले।

–डॉ॰ हरिवंशराय बच्चन

अभ्यास

1. बताओ– कवि सबसे पहले उठकर–
    - क्या सुनना चाहता है?
    - क्या देखना चाहता है?
    - क्या चुनना चाहता है?
    - क्या–क्या कहना चाहता है?

2. लिखो, तुम्हारे घर में कौन–
    - सबसे पहले उठते हैं? ....
    - आपसे पहले उठते हैं? ....
    - आपके बाद उठते हैं? ....
    - सबसे बाद में उठते हैं? ....

3. लिखो, आज उठने के बाद सबसे पहले तुमने–
    - क्या–क्या देखा? ....
    - क्या–क्या सुना? ....
    - क्या–क्या किया? ....

4. बताओ, यदि तुम किसी दिन सबसे पहले उठे, तो–
    - क्या–क्या देखोगे?
    - क्या–क्या सुनोगे?
    - क्या–क्या करोगे?

5. लिखो, कैसे–कैसे रंग के होते हैं बादल–

- सुबह ....
- शाम ....
- बरसात के दिनों में ....

6. समझो, लिखो–

- सुनती हूँ – सुनूँगी
- खेलता हूँ – ....
- पढ़ती हूँ – ....
- लिखता हूँ – ....

7. कविता में से ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखो, जो 'सुनूँगा' जैसे लगते हैं–

....

8. मिलाओ, कौन, कहाँ–

- फूल खिले आँगन में
- बादल फैले बाग में
- पंछी बोले पौधे–पौधे की डाली पर
- पत्ते डोले पूरब में

9. शब्दों से वाक्य बनाओ–

- फर–फर ....
- चहक–चहक ....
- सुंदर–सुंदर ....

पाठ 7

इसमें क्या शक है

राजा के पास एक आदमी आया। उसके पास एक तोता था। उसने राजा को तोता दिखाया और कहा- महाराज, यह बड़ा होशियार तोता है। आपसे बात भी कर सकता है।

राजा ने तोते को देखा और तोते से पूछा--अच्छा! तो तुम बात भी कर सकते हो ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा प्रसन्न हुआ और तोते को महल में ले आया।

एक दिन राजा ने तोते से पूछा– क्या मैं एक अच्छा राजा हूँ ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – मेरी प्रजा मुझसे प्रेम करती है ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – क्या मेरा कोई शत्रु भी है ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – तुम उसे जानते हो ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – उसका नाम बताओगे ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – बताओ ना !

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – बताओ भी !

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – क्या एक ही रट लगा रखी है ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – बेवकूफ हो क्या ?

तोता – इसमें क्या शक है ?

राजा – तो मैं ही बेवकूफ था, जो तुम्हें खरीद कर लाया !

तोता – इसमें क्या शक है ?

अभ्यास

1. बताओ–

   क. तोते वाले आदमी ने राजा से क्या कहा ?

   ख. तोते ने राजा के हर प्रश्न का क्या उत्तर दिया ?

   ग. राजा ने तोते को बेवकूफ क्यों कहा ?

2. 'राजा उधर से जा रहा था', 'राजा उधर से जा रहा है', 'राजा उधर से जाएगा'। इस उदाहरण की तरह ही नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा करो–

   मोहन अमरूद ....। मरियम गाना ....।

   मोहन अमरूद ....। मरियम गाना ....।

   मोहन अमरूद ....। मरियम गाना ....।

3. 'भाई लड्डू खाता है'। 'बहन लड्डू खाती है'। नीचे दिए गए शब्दों में इसी प्रकार 'लड्डू खाता है', 'लड्डू खाती है' का प्रयोग करो'

   राजा .... माँ ....

   रानी .... सलीम ....

4. 'इसमें क्या शक है'– कुछ लोग बात करते समय एक ही बात का बार–बार प्रयोग करते हैं। क्या तुमने भी ऐसा कोई वाक्य सुना है? उसे लिखो।

5. अनावश्यक शब्द ढूँढ़ो–

कभी कभी हम बात करते हुए ऐसे शब्द बोल देते हैं, जिनकी वाक्य में कोई आवश्यकता नहीं होती है। नीचे दिए गए वाक्यों में भी कुछ शब्द अनावश्यक हैं। उन्हें ढूँढकर अलग करो–

- बाजार से एक पका पीला पपीता लाना।
- अरे! शरबत में इतनी सारी ठंडी बर्फ क्यों डाल दी?
- खेत से हरा ताजा पालक ले आना।

❀ इस पाठ में बच्चों से 'लिंग' तथा 'काल' पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। बच्चों को विभिन्न उदाहरणों द्वारा 'लिंग' तथा 'काल' का अभ्यास कराएँ।

अपने आप – 1

खरगोश और हाथी

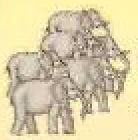

जंगल में हाथियों का झुंड रहता था। एक बार पानी नहीं बरसा। तालाब और नदी–नाले सूख गए। दूर जंगल में एक बड़ा तालाब था। वह सदा पानी से भरा रहता था। हाथी उस तालाब की ओर चले गए।

तालाब के चारों ओर खरगोश बिल बनाकर रहते थे। हाथियों के पैरों के नीचे आकर बिल दब गए और कुछ खरगोश मारे गए।

एक खरगोश ने कहा, "चलो यहाँ से कहीं और चलें।" तब कुछ साथी बोले, "यह हमारी भूमि है। हम भय से इसको छोड़कर नहीं जा सकते। कुछ ऐसा काम करें कि हाथी इस ओर न आएँ।"

लम्बकर्ण नाम के एक खरगोश ने कहा, "आप सब चिन्ता न करें। मैं ऐसा उपाय करूँगा कि हाथी यहाँ से चले जाएँगे।"

दूसरे दिन शाम को जब हाथी तालाब के पास आए तो लम्बकर्ण ने ऊँची आवाज में कहा, "अरे हाथियों ! इस तालाब के स्वामी चन्द्रमा हैं। वह तुमसे बहुत नाराज हैं। आज से तुम इस तालाब पर मत आना।"

हाथियो के राजा ने कहा, " चंद्रमा हमसे क्यों नाराज हैं? वे यहाँ कहाँ हैं?"

लम्बकर्ण बोला, "तुम्हारे पैरों से दबकर बहुत से खरगोश मारे गए हैं। वे सब चन्द्रमा की प्रजा हैं, इसलिए चन्द्र देव तुमसे बहुत नाराज हैं। वे इस समय तालाब में उतरे हैं। तुम उनके दर्शन करना चाहते हो तो मेरे साथ चलो।"

लम्बकर्ण हाथियों के राजा को तालाब के किनारे ले गया और उसे पानी में चन्द्रमा का प्रतिबिम्ब दिखाया। हाथियों का राजा भयभीत हो गया। वह हाथियों के झुंड के साथ वहाँ से दूसरी जगह चला गया और खरगोश आनंद से रहने लगे।

❀ बच्चे पाठ का स्वयं अध्ययन करें। बच्चों को इस प्रकार की और भी कहानियाँ पढ़वाएँ।

पाठ 8

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।
बाँध तने में उनके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।
जहाँ कहीं भी धूप सताती
उनके नीचे हम छिप जाते।
भूख सताती अगर अचानक
तोड़ मधुर फल उनके खाते।
आती कीचड़ बाढ़ कहीं तो
झट उनके ऊपर चढ़ जाते।

अभ्यास

1. सोचो, बताओ–

   क. आपको पता ही है कि पेड़ एक ही जगह पर स्थिर रहते हैं। जड़ें, पेड़ों को मिट्टी में रोके रखती हैं। अगर पेड़ चलते होते तो–

   - पेड़ों में क्या–क्या बदलाव होते?
   - किस–किस को कैसी–कैसी परेशानियाँ उठानी पड़तीं ?

   ख. वृक्ष हमारे किस–किस काम आते हैं?

   ग. हमें वृक्षों के प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए?

2. वाक्य पढ़कर विलोम शब्द पहचानो और लिखो–

   - मुझे चलते–चलते धूप लगी तो मैं पेड़ की छाँव में बैठ गई।
   - ऊपर से फल नीचे गिरा।
   - सबका भला सोचो, बुरा नहीं।

3. इस कविता में दो अक्षर वाले क्रिया शब्द 'जाते', 'खाते' दिए गए हैं। इसी प्रकार के तीन अक्षरों वाले कितने क्रिया–शब्द तुम लिख सकते हो, जैसे– उठते, बैठते। लिखो–

   ....

4. पाठ के आधार पर वाक्यों को जोड़ो–

पेड़ को कहीं ले जाने के लिए ...	पेड़ के नीचे आ जाते।
भूख लगने पर ...	पेड़ के मधुर फल खाते।
बाढ़ आने पर ...	पेड़ के तने में रस्सी बाँधते।
धूप सताने पर ...	पेड़ के ऊपर चढ़ जाते।

5. अपने आस पास के उन पेड़ों के नाम लिखो–

   क. जिन पर फल लगते हैं ....

   ख. जिन पर फल नहीं लगते हैं ....

बच्चों को पर्यावरण तथा वृक्षों के महत्व के बारे में जानकारियाँ दें। कल्पना आधारित अन्य कविताएँ सुनाएँ। पेड़ का चित्र बनवाकर रंग भरवाएँ।

पाठ 9

वाराणसी की यात्रा

गर्मियों की छुट्टियाँ थीं। मैं अपनी बुआ से मिलने वाराणसी गया। वाराणसी हमारे गाँव से काफी दूर है। रेलगाड़ी से जाना पड़ता है। पूरे बावन रुपये का टिकट लगा था। दीदी भी मेरे साथ थीं।

रेलगाड़ी से यात्रा करने में मुझे बहुत आनंद आया। छुक–छुक, छुक–छुक, धड़–धड़ाम, धड़–धड़, धड़ाम ..... शूँ .....। ऐसा लग रहा था मानो पेड़ भी हमारे साथ चल रहे हों। स्टेशन पर पहुँचे तो बहुत भीड़ थी। बाहर आकर दीदी ने रिक्शा किया। जल्दी ही हम बुआ के घर पहुँच गए।

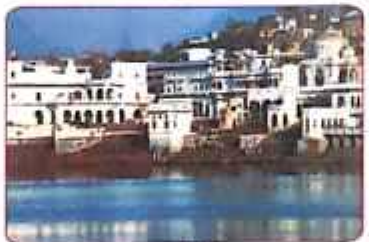

वाराणसी–घाट

बुआ दरवाज़े पर ही खड़ी मिल गईं। उन्होंने खुशी से हमें गले लगाया। मेरी फुफेरी बहन शैली और भाई राजू भी घर पर ही थे। दोनों हमें देखकर बहुत खुश हुए। शैली, राजू और बुआ हमारे घर के सारे लोगों के बारे में पूछते रहे।

बुआ ने हमें खाने को रसगुल्ला दिया। इतना बड़ा रसगुल्ला ! पर मैं एक ही बार में खा गया ! मेरा मुँह रस से भर गया।

सुबह तैयार होकर हम गोदौलिया घूमने गए। चारों ओर मेले जैसी चहल–पहल थी। ऊँचे–ऊँचे मंदिर जैसे आसमान को छू रहे हों। घंटे – घड़ियालों की आवाज़ें

आ रही थीं, टन–टनन–टन। विश्वनाथ मंदिर में आरती हो रही थी। सब लोग फूल और प्रसाद लेकर मंदिर जा रहे थे। मैं भी फूल लेकर गया। भीड़ अधिक थी, फूल चढ़ाने में बहुत समय लगा। मंदिर के बाहर एक आदमी मुँह से कोई बाजा बजा रहा था। यह शहनाई बजा रहा है मोनू–दीदी ने बताया। विश्वप्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ वाराणसी के ही थे– दीदी बोलीं ।

इसके बाद हम दशाश्वमेध घाट गए और नाव में बैठे। इतनी बड़ी नाव! जब वह चल रही थी तो हल्के–हल्के हिचकोले ले रही थी। नाव को चलाने वाला छप–छपाक छप–छपाक करके अपना चप्पू चला रहा था।

गंगा के किनारे–किनारे घाट बने थे। बड़ी–बड़ी छतरियाँ लगी हुई थीं। बहुत सारी सीढ़ियाँ बनी थीं। उन पर बैठे कुछ लोग नहा रहे थे। एक मंदिर लग रहा था जैसे पानी में अब गिरा, अब गिरा। "यह टेढ़ा मंदिर है मोनू !", दीदी ने बताया। कैसे रुका हुआ होगा वह मन्दिर ? मैं सोचता रहा।

दोपहर को हम बहुत बड़े विद्यालय में गए। दीदी बोलीं, "मोनू, यह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय है। इसे महामना मदन मोहन मालवीय ने बनवाया था। यहाँ देश–विदेश से लोग पढ़ने आते हैं।" दीदी और मैं संकटमोचन मंदिर भी गए।

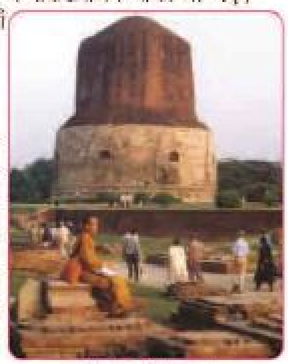

सारनाथ–बौद्ध स्तूप

भूख लगी थी। दीदी ने गरम जलेबियाँ खिलाईं। लस्सी भी पिलाई। कुछ लोग बाटी–चोखा खा रहे थे। सत्तू वाले ठेले पर भी खूब भीड़ लगी थी।

अगले दिन हम सारनाथ गए। वहाँ हमने एक बड़ी इमारत देखी। वहाँ बड़ी–बड़ी मूर्तियाँ और बहुत सी पुरानी वस्तुएँ रखीं थीं। दीदी ने बताया कि उसे संग्रहालय कहते हैं। संग्रहालय में अशोक की लाट भी रखी थी जिसके ऊपरी हिस्से में चार सिंह बने थे। दीदी ने बताया कि हमारे देश का राष्ट्रचिह्न उसी से लिया गया है। हमने बौद्ध मंदिर और बौद्ध स्तूप भी देखे।

लौटते समय हम रेलगाड़ी का इंजन बनाने का कारखाना भी देखने गए।

शाम को हम बाजार घूमने निकले। लहुराबीर में घूमते–घूमते रात हो गई। हम वापस घर लौट आए। रात को शैली और राजू से खूब बातें हुईं।

सुबह हमें लौटना था। बुआ ने गले लगाते हुए हमसे अगली छुट्टियों में आने को कहा। शैली और राजू दूर तक हमें जाते देखते रहे।

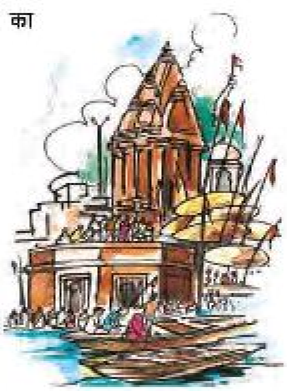

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –
   - क. मोनू वाराणसी कैसे गया ?
   - ख. मोनू ने वाराणसी में क्या–क्या देखा ?
   - ग. रेल के अलावा टिकट और कहाँ–कहाँ लगता है ?
2. बताओ, कैसी आवाज आती है –

   मोटरकार, बस, हवाई जहाज, ट्रैक्टर, टैम्पो से।
3. तुम भी छुट्टी में कहीं घूमने गए होगे। अपनी कॉपी में लिखो–
   - कहाँ गए थे ?
   - क्या–क्या तैयारियाँ की थीं ?
   - कौन–कौन गए थे ?
   - किन–किन साधनों से गए थे ?
   - कौन सी चीजें/बातें बहुत अच्छी लगीं ?
   - क्या अच्छा नहीं लगा ?
4. पढ़ो – छुट्टियाँ, रिक्शा, दशाश्वमेध, सीढ़ियाँ, संग्रहालय।

बच्चों से उनके द्वारा की गई यात्रा के अनुभव लिखवाएँ। रेल, बस आदि के टिकट दिखाकर टिकट में दिए गए विवरणों के बारे में जानकारी दें। नजदीकी स्थलों का भ्रमण कराएँ।

पाठ 10

बंदर-बाँट

3471UK

काली बिल्ली : बिल्ली बहन, नमस्ते!

सफेद बिल्ली : नमस्ते बहन, नमस्ते!

काली बिल्ली : अच्छी तो हो ?

सफेद बिल्ली : अच्छी क्या हूँ, भूखी हूँ। खाने को कुछ ढूँढ रही हूँ।

काली बिल्ली : मैं भी भूखी हूँ।

सफेद बिल्ली : मुझे कहीं से रोटी की महक आ रही है।

काली बिल्ली : हाँ बहन, आ तो मुझे भी रही है।

सफेद बिल्ली : वो देखो, मेज पर रोटी है। मन कर रहा है लपक लूँ। पर, डर लगता है।

काली बिल्ली : तू डर, मैं तो लेने चली ।

(काली बिल्ली रोटी लपककर भागने लगती है)

सफेद बिल्ली : अरे ठहर! रोटी लेकर कहाँ भाग रही है? मेरी रोटी मुझे दे।

काली बिल्ली : तेरी रोटी ? रोटी तेरी कैसे?

सफेद बिल्ली : तुझे रोटी मैंने ही दिखाई थी।

काली बिल्ली : नहीं, रोटी मैंने लपकी थी। मैं रोटी नहीं दूँगी।

सफ़ेद बिल्ली : मैं तुझे रोटी नहीं ले जाने दूँगी।

काली बिल्ली : मेरा रास्ता छोड़ो, मैं तुम्हें रोटी नहीं दूँगी।

(दोनों झगड़ती हैं, एक-दूसरे पर गुर्राती हैं। तभी बंदर का प्रवेश होता है।)

बंदर : तुम दोनों क्यों झगड़ रही हो ? मेरी रोटी, मेरी रोटी, कहकर दोनों चिल्ला भी रही हो। रोटी किसकी है इसका फ़ैसला मैं कर देता हूँ। आओ मेरे साथ।

(बंदर रोटी अपने हाथ में लेकर चलता है। दोनों पीछे-पीछे चलती हैं। बंदर मेज़ पर जाकर बैठ जाता है। बिल्लियाँ मेज़ के सामने इधर-उधर खड़ी हो जाती हैं।)

बंदर : (सफ़ेद बिल्ली से) बोलो, तुमको क्या कहना है ?

सफ़ेद बिल्ली : श्रीमान् जी, रोटी पहले मैंने ही देखी थी। इसलिए रोटी पर पूरा अधिकार मेरा है।

बंदर : (काली बिल्ली से) बोलो, तुमको अपने पक्ष में क्या कहना है ?

काली बिल्ली : श्रीमान् जी, रोटी लेने मैं ही झपटी थी। इसलिए रोटी मेरी है।

बंदर : क्या तुम दोनों का कोई गवाह है?

दोनों बिल्लियाँ : जी नहीं, कोई नहीं।

बंदर : जब कोई गवाह ही नहीं तो किसकी बात सच मानूँ? मेरा फ़ैसला है कि रोटी तोड़-तोड़कर आप दोनों को बराबर-बराबर बाँट दी जाए। मेरे पास धरम काँटा भी है।

(बंदर मेज़ के नीचे से तराजू निकालता है और रोटी तोड़कर दोनों पलड़ों पर रखता है। तराजू उठाता है। एक पलड़ा नीचे झुक जाता है दूसरा ऊपर।)

बंदर : यह टुकड़ा कुछ भारी निकला। इसे खाकर कुछ हल्का कर देता हूँ।

(फिर तराजू उठाता है। अब दूसरा पलड़ा भारी हो जाता है।)

बंदर : अब यह टुकड़ा भारी निकला। इसे भी थोड़ा छोटा करना पड़ेगा।

(बंदर रोटी का टुकड़ा तोड़कर खाता है और कहता है– टुकड़े भी कितने खोटे हैं। बराबर नहीं हो पा रहे हैं। मेरे हाथ और मुँह दोनों थक गए हैं। दोनों बिल्लियाँ बंदर की चालाकी भाँप जाती हैं और एक दूसरे की ओर देखते हुए कहती हैं।)

दोनों बिल्लियाँ : श्रीमान जी, आप टुकड़ों को बराबर करते–करते थक गए हैं। बची–खुची रोटी हमें दे दें। हम बाँटकर खा लेंगे। हमें यह बंदर–बाँट नहीं चाहिए।

बंदर : नहीं, नहीं, तुम दोनों फिर झगड़ोगी। इसलिए मैं झगड़े की जड़ ही मिटा देता हूँ।

(बंदर बची–खुची रोटी भी खा जाता है और तराजू लेकर वहाँ से भाग जाता है)

(दोनों बिल्लियाँ पछताती रह जाती हैं)

काली बिल्ली : रोटी तो बंदर खा गया, अब क्या करें ?

सफेद बिल्ली : करना क्या है? आगे से झगड़ा बंद। अपना फैसला मिलजुल कर करेंगे।

(दोनों बिल्लियाँ गले मिलती हैं और साथ–साथ चली जाती हैं।)

अभ्यास

1. उत्तर दो–

   क. दोनों बिल्लियों के बीच किस बात पर झगड़ा हुआ?

   ख. झगड़े को निपटाने के लिए बंदर ने क्या किया?

   ग. बंदर की जगह तुम होते तो रोटी किस बिल्ली को देते और क्यों ?

   घ. बिल्लियों ने अंत में क्या निर्णय लिया ?

2. बंदर ने रोटी को बाँटने के लिए तराजू का प्रयोग किया। अपनी कॉपी में ऐसी चीजों के नाम लिखो जिन्हें तौलने में तराजू का प्रयोग होता है।

3. तुम इस नाटक को क्या शीर्षक देना चाहोगे और क्यों ?

4. "खाने को कुछ ढूँढ रही हूँ"– इस वाक्य को कुछ इस तरह भी लिखा जा सकता है– "कुछ खाने को ढूँढ रही हूँ।" अब तुम भी नीचे दिए गए वाक्यों में शब्दों को इसी प्रकार आगे-पीछे करके सही वाक्य बनाओ–

   क. वो देखो, रोटी है मेज पर।

   ख. अरे ठहर! कहाँ भाग रही है लेकर रोटी?

   ग. मैं नहीं ले जाने दूँगी तुझे रोटी।

   घ. कोई गवाह है क्या तुम दोनों का।

5. अगले दिन दोनों बिल्लियों को दूध से भरी कटोरी मिली। दोनों सोचने लगीं दूध को कैसे बाँटें? तभी फिर वही बंदर आ गया। सोचो और बताओ– आगे क्या हुआ होगा?

कितना सीखा ?

1. नीचे दिए गए वाक्यों में से संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया शब्द छाँटकर लिखो–

   हम इलाहाबाद अपनी माँ और पिता के साथ संगम नहाने गए थे। वहाँ पर अमरूद बहुत अच्छे बिक रहे थे। हमने मेले से गुब्बारा, गेंद, गुड़िया और सीटी खरीदी। तुम भी एक बार इलाहाबाद जाओ। वह एक सुंदर शहर है।

   संज्ञा ....

   सर्वनाम ....

   क्रिया ....

2. इन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

   पुस्तक   कमरा   बच्चा   रोटी   पौधा

3. पाठ नौ में एक वाक्य है "पूरे बावन रुपये का टिकट लगा।" टिकट और कहाँ–कहाँ लगता है ? लिखो ।

4. कौन समूह से अलग है. उस पर गोला लगाओ –

   (क) गाय, बैल, भैंस, कौआ   (ख) फूल, फल, बंदर, पत्ती

   (ग) अरहर, जौ, मूली, चना   (घ) कंबल, रजाई, मिठाई, चादर

5. पूरा करो –

   मैं सड़क पार कर ही रहा था कि ....

   मैं घर से निकली ही थी कि ....

   छुट्टी होने ही वाली थी कि ....

6. मोनू ने वाराणसी में क्या–क्या देखा ?

7. चाँद को पकड़ने के लिए बंदरों ने क्या योजना बनाई ?

8. याद की हुई कोई कविता सुनाओ।

पहेलियाँ

आँखें दो हों चाहे चार
मेरे बिना कोट बेकार,
घुसा आँख में मेरे धागा
दर्जी के घर से मैं भागा।

टिक टिक टिक टिक चलती जाऊँ
सब को ही मैं समय बताऊँ,
काम समय से जो कर पाए ,
वो ही मेरा नाम बताए।

नीचे पटको ऊपर जाऊँ
ऊपर से फिर नीचे आऊँ,
आऊँ–जाऊँ, आऊँ–जाऊँ
जितना चाहो खेल खेलाऊँ।

पंख है लेकिन चिड़िया नही
चलता है लेकिन बढ़ता नही,
गर्मी भगाना इसका काम
झट बतलाओ क्या है नाम।

लाल पूँछ हरी बिलाई,
इसका बनता हलवा भाई।

पैरों में जंजीर लगी है
फिर भी दौड़ लगाए,
पगडण्डी पर चले झूम के
गाँव–गाँव पहुँचाए।

एक लाठी की सुनो कहानी,
इसमें छिपा है मीठा पानी।

अभ्यास

1. नीचे दिए गए उदाहरण में एक पहेली को वाक्य के रूप में लिखा गया है –
नीचे से पटकने पर मैं ऊपर जाती हूँ। ऊपर से फिर नीचे आती हूँ। सभी को जी भरकर खेल खेलाती हूँ।

इसी प्रकार किसी एक पहेली को अपने शब्दों में लिखो।

....

2. नीचे दी गई पहेली का क्रम कुछ बिगड़ गया है। पाठ से पढ़कर सही क्रम में लिखो –

लगी है में जंजीर पैरों ....
लगाए दौड़ भी फिर ....
के पर झूम पगडण्डी चले ....
पहुँचाए गाँव–गाँव ....

3. विलोम शब्द लिखो –

बढ़ता	गर्मी	चला	अंदर	पक्का
....	....	....	....	....

4. उदाहरण पढ़कर खाली स्थान में सही शब्द भरो। आपकी मदद के लिए बता दें कि हर शब्द के अन्त में 'ली' आएगा।

- जैसे कि, एक फूल का नाम – चमेली
- त्योहार का नाम ....
- सब्जी का नाम ....
- पालतू जानवर का नाम ....

• बंदूक से निकलती है ....

• विशेष अवसरों पर घर के आँगन/द्वार पर बनाते हैं ....

5. अपनी याद की हुई कोई पहेली लिखकर चित्र बनाओ।

❀ बच्चों को पहेलियाँ सुनाएँ तथा उनसे सुनें। पहेलियाँ संकलित भी कराएँ। कक्षा में बच्चों को दो समूहों में बाँटकर पहेलियाँ बूझने की प्रतियोगिता कराएँ।

अपने आप - 2

भलाई की जीत

शेरसिंह नाम का एक किसान था। वह बड़ा घमंडी और झगड़ालू था। गाँव वाले भी उससे दूर ही रहते थे। उस गाँव में कृपाल सिंह नाम का एक किसान आकर बस गया। वह मीठा बोलता था और सबकी सहायता करता था।

गाँव वालों ने कृपाल सिंह से कहा, "तुम शेरसिंह से दूर ही रहना। वह बहुत झगड़ालू है।" कृपाल सिंह ने हँसकर कहा, "शेरसिंह मुझसे झगड़ा करेगा तो मैं उसे सही पाठ पढ़ा दूँगा।"

शेरसिंह को यह बात ज्ञात हुई। वह क्रोध से लाल–पीला हो गया। एक दिन उसने कृपाल सिंह के खेत में अपने बैल छोड़ दिए। कृपाल सिंह ने बैलों को खेत से बाहर कर दिया परन्तु शेरसिंह से कुछ नहीं कहा।

एक बार कृपाल सिंह के एक मित्र ने उसके लिए मीठे तरबूज भेजे। कृपाल सिंह ने सभी गाँव वालों के घर एक–एक तरबूज भेज दिया। शेरसिंह ने तरबूज यह कहकर लौटा दिया कि वह भिखारी नहीं है।

बरसात आई। शेरसिंह ट्रैक्टर ट्रॉली में अनाज भरकर शहर चला। नाले में ट्रैक्टर फँस गया। बहुत प्रयास करने पर भी ट्रैक्टर नहीं निकला। रात हो गई लेकिन शेरसिंह के व्यवहार के कारण कोई भी गाँव वाला उसकी सहायता के लिए नहीं आया। कृपाल सिंह को भी यह बात ज्ञात हुई। वह तुरन्त अपना ट्रैक्टर लेकर नाले पर पहुँचा।

शेरसिंह ने कहा, "मुझे तुम्हारी सहायता नहीं चाहिए। तुम लौट जाओ।" कृपाल सिंह बोला, "तुम जितना भी क्रोध करना चाहो करो, पर मैं तुम्हें रात में यहाँ अकेला नहीं छोड़ सकता।" कृपाल सिंह ने मोटी जंजीर से शेरसिंह के ट्रैक्टर को अपने ट्रैक्टर से बाँध लिया। थोड़े ही प्रयास में फँसे हुए ट्रैक्टर ट्रॉली बाहर निकल आए।

शेरसिंह का घमंड चूर हो चुका था। उसे अपने व्यवहार पर पछतावा हुआ। अब शेरसिंह परी तरह बदल गया। भलाई ने बुराई पर विजय पाप्त की।

❀ बच्चे पाठ का स्वयं अध्ययन करें। पढ़ने को अन्य सामग्री भी उपलब्ध कराएँ।

पाठ 12

चाँद का कुर्ता

हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला,
'सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला।

सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।

आसमान का सफर और यह मौसम है जाड़े का,
अगर न हो तो ला दो कुर्ता ही कोई भाड़े का।'

बच्चे की सुन बात कहा माता ने, 'अरे सलोने !
कुशल करें भगवान, लगे ना तुझको जादू-टोने।

जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं तुझको देखा करती हूँ।

कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है और किसी दिन छोटा।

घटता–बढ़ता रोज किसी दिन ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की आँखों को तू दिखलाई पड़ता है।

अब तू ही तो बता, नाप तेरी किस रोज लिवाएँ।
सी दें एक झिंगोला जो हर रोज बदन में आए।

– रामधारी सिंह 'दिनकर'

अभ्यास

1. उत्तर दो –
   - क. चाँद ने माँ से क्या कहा ?
   - ख. माँ ने झिंगोला सिलने की बात क्यों कही ?
   - ग. चाँद बड़ा कब दिखाई देता है ?
   - घ. आसमान में चाँद कब नहीं दिखाई देता है ?
2. नीचे लिखी पंक्तियों को पूरा करो –
   - क. सन–सन .... मरता हूँ।
   - ख. बच्चे की सुन .... सलोने।
3. नीचे दिए गए शब्दों में समान अर्थ वाले (समानार्थी) शब्दों को मिलाओ–

आसमान	हठ	भाड़ा	बदन	सफर
शरीर	यात्रा	किराया	जिद	आकाश

4. पता करो और लिखो क्या चाँद सच में घटता बढ़ता है ?
5. चित्र बनाओ झिंगोला पहने हुए चाँद का।

❁ कविता का हाव–भाव से पाठ कराएँ। चंद्रमा के घटने–बढ़ने के वैज्ञानिक कारण बताएँ।

पाठ 13

सीख

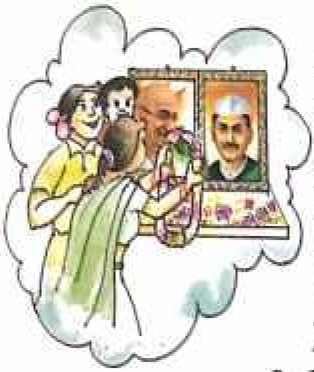

वैभव स्कूल से घर आया तो माँ ने पूछा, "स्कूल में आज क्या –क्या हुआ वैभव?" वैभव बोला, "माँ, आज दो अक्टूबर है न। हमारे स्कूल में गांधी जी और शास्त्री जी का जन्मदिन मनाया गया। सबने उनके चित्र पर फूल चढ़ाए। दीदी जी ने कम्प्यूटर पर बहुत अच्छी फिल्म भी दिखाई। तुम्हें उसकी कहानी सुनाऊँ माँ ?"

"सुनाओ बेटा!" माँ ने कहा।

वैभव कहानी सुनाने लगा–

एक बार कस्तूरबा बहुत बीमार हो गईं। दवा से आराम नहीं हो पा रहा था। गांधी जी ने किसी पुस्तक में पढ़ा था कि बीमारी में कुछ समय तक नमक न खाने से लाभ होता है।

गांधी जी ने कस्तूरबा से कहा, "तुम कुछ दिन भोजन में नमक लेना बंद कर दो।"

कस्तूरबा ने गांधी जी से कहा, "यह तो बड़ा कठिन है। नमक छोड़ने को तो कोई आपसे कहे तो आप भी न छोड़ पाएँगे।"

गांधी जी ने सोचा, "पर–उपदेश कुशल बहुतेरे। हम जो बात दूसरों से करने को कहें पहले उसे स्वयं करना चाहिए। तभी उसका प्रभाव होता है।" गांधी जी ने कहा, "मुझे बीमारी हो और वैद्य किसी चीज को छोड़ने को कहें तो अवश्य ही छोड़ दूँगा, क्योंकि उसी में भलाई है। मैंने तुमसे नमक छोड़ने को कहा है। पहले मैं ही कुछ समय के लिए नमक छोड़कर देखता हूँ।"

बापू की बात का कस्तूरबा पर बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने भोजन में नमक लेना बंद कर दिया। शीघ्र ही वह स्वस्थ हो गईं।

वैभव से कहानी सुनकर माँ ने कहा, "हाँ बेटा, ऐसे ही थे महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री। वे जो कहते थे पहले स्वयं करते थे। तभी तो पूरा देश आज भी उन्हें याद करता है।"

अभ्यास

1. उत्तर दो –

   क. दो अक्टूबर को किन–किन महापुरुषों का जन्मदिन मनाया जाता है ?

   ख. गांधी जी ने कस्तूरबा से नमक छोड़ने के लिए क्यों कहा ?

   ग. हमारी बात का दूसरों पर कब प्रभाव पड़ता है ?

2. तुम अपने घर की बोली में इन्हें क्या कहते हो –

   क. माँ के भाई को ....

   ख. पिता जी के पिता जी को ....

   ग. पिता जी की बहन को ....

   घ. माता जी की बहन को ....

3. 'भला' शब्द से बना है–भलाई। इसी प्रकार इन शब्दों से नए शब्द बनाओ–

   अच्छा .... बुरा .... मीठा .... सच्चा ....

4. लिखो, इस बार दो अक्टूबर को आपके विद्यालय में क्या–क्या हुआ ?

5. नीचे बने खानों में इन नामों को छाँटकर लिखो–
   गांधी जी, कंप्यूटर, फल, घर, कस्तूरबा, नमक, पुस्तक, कोयल, दिल्ली,

गोपाल, हरिद्वार, घड़ी, चरखा, अहमदाबाद, लखनऊ, केला, पानी, गेंद, कलम, बल्ला, गाय, रबर, हर्ष, वैभव, लड्डू, कबूतर

प्राणियों के नाम	स्थानों के नाम	वस्तुओं के नाम

* बच्चों को महापुरुषों के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाएँ। बहुवचन शब्दों की जानकारी कराएँ।

कितना सीखा ?

1. नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले (समानार्थी) दो-दो शब्द लिखो-

   पेड़ ....

   चंद्रमा ....

   फूल ....

2. नीचे लिखे शब्दों में से संज्ञा, सर्वनाम छाँटकर अलग-अलग लिखो –

   हाथी, तुम, स्कूल, मैं, वह, अध्यापक, हम, रानपुर, पतंग

   संज्ञा सर्वनाम

   ....

3. बहुवचन में लिखो –

   तोता .... सड़क .... आँख .... सीढ़ी ....

4. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाओ –

   रोशनी–..

   उदास–..

   अचानक–..

5. सोचो और लिखो- क्या होता यदि पहाड़ उड़ सकते? ....
   ....

6. चाँद ने माता से क्या हठ की ?
7. माँ ने कुर्ता सिलवाने में क्या कठिनाई बताई ?
8. बापू की बात का कस्तूरबा पर क्या प्रभाव पड़ा ?
9. याद की गई कोई कविता कॉपी पर लिखो और सुनाओ ।
10. वैभव की सुनाई हुई कहानी को तुम अपने शब्दों में सुनाओ।
11. अपने मित्रों से कोई पहेली पूछो।
12. अपने प्रिय दोस्त के बारे में कुछ वाक्य लिखो।

पाठ 14

माथापच्ची

नीचे दी गई वर्ग पहेली में बहुत सी चीज़ों के नाम छिपे हैं। इनमें कम से कम 6 बर्तन, 12 खाने-पीने, 3 लिखने-पढ़ने तथा 2 पहनने वाली चीज़ें हैं। इन्हें तुम सीधी, आड़ी-तिरछी रेखाओं से मिलाते हुए ढूँढ़ो और अपनी कॉपी पर लिखो। तुम्हारी मदद के लिए हमने एक उदाहरण दिया है।

जैसे – किताब।

ट	मि	पे	श	मो	जा	ब	का
सा	दा	चं	न	ल	ता	पी	प
थो	ग	ल	ग	कि	ज	नी	छ
चा	ती	चि	म	टा	ई	म	स
द	य	द	लो	टा	ई	ला	घ
ची	नी	ही	र	टा	गि	त	ली
दू	ध	पू	ख	ज	ग	था	वा
खी	र	डी	त	र	बू	ज	ड

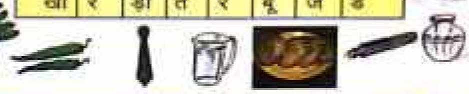

अभ्यास

1. अपनी कॉपी पर लिखो –

    (क) वर्ग पहेली में तुम्हें खाने–पीने वाली कौन–कौन सी चीजें मिलीं ?

    (ख) खाने–पीने वाली और कौन–कौन सी चीजें होती हैं ?

    (ग) वर्ग पहेली में तुम्हें कौन–कौन से बरतन मिले ?

    (घ) तुम और किन–किन बरतनों का प्रयोग करते हो ?

    (ङ) वर्ग पहेली में तुम्हें लिखने–पढ़ने वाली कौन–कौन सी चीजें मिलीं?

    (च) लिखने–पढ़ने वाली और कौन–कौन सी चीजें होती हैं ?

    (छ) वर्ग पहेली में तुम्हें पहनने वाली कौन–कौन सी चीजें मिलीं ?

2. तुम भी ऐसी ही एक वर्ग पहेली बनाओ जिसमें पशु–पक्षियों, फलों और फूलों के नाम छिपे हों। इन छिपी चीजों के नाम अपने साथियों से पूछो।

3. नीचे दिए गए अक्षरों से बनने वाले चार–चार शब्द लिखो –

क ....

र ....

म ....

ल ....

ह ....

4. शब्द अंत्याक्षरी को आगे बढ़ाओ –

    नमक, कलम, मकान, नगर ....

* बच्चों को समूहों में बाँटकर वर्ग पहेलियाँ बनवाएँ तथा एक दूसरे से पूछने को कहें।

पाठ 15

जड़ और फूल

गुलमोहर का एक पेड़ था। जब उस पर लाल फूलों के गुच्छे लगते तो वह गुलदस्ता जैसा लगता। एक बार फूलों को शैतानी सूझी। उन्होंने पेड़ की जड़ को बदसूरत कहा। उसकी खूब हँसी उड़ाई लेकिन जड़ चुप ही रही, कुछ भी न बोली।

बरसात आई। बादल जोर से गरजे! बिजली जोर से चमकी! फिर गुलमोहर पर आकाश से आग की लपट झपटी और बिजली गिरने से गुलमोहर झुलस गया। एकदम ठूँठ–सा हो गया।

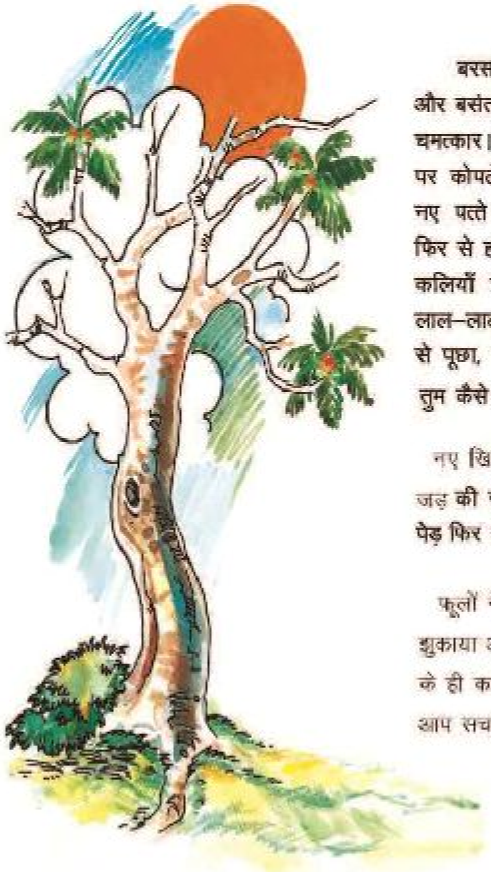

बरसात बीती, जाड़ा गया और बसंत आया, फिर हुआ एक चमत्कार। उसी गुलमोहर के ठूँठ पर कोपलें आईं । शाखाओं पर नए पत्ते निकले और वह पेड़ फिर से हरा–भरा हो गया। फिर कलियाँ बनीं और कलियों से लाल–लाल फूल। जड़ ने फूलों से पूछा, "कहो भाई फूल ! तुम कैसे हो ?"

नए खिले फूल समझते थे कि जड़ की सेवा और मेहनत से ही पेड़ फिर से पनपा है।

फूलों ने अपना सिर आदर से झुकाया और कहा, "हमने आप के ही कारण जीवन पाया है। आप सचमुच खूबसूरत हो।"

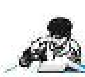

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

क. फूलों ने जड़ की हँसी क्यों उड़ाई ?

ख. गुलमोहर पर बिजली कब गिरी ?

ग. नए फूलों ने जड़ को खूबसूरत क्यों कहा ?

2. नीचे दी गई सूची में कुछ चीजें आकाश की हैं और कुछ धरती की। इनकी अलग–अलग सूची बनाओ –

इन्द्रधनुष हाथी फूल तारे बादल नदी चाँद

3. विलोम बताओ –

बदसूरत आया नया सुख सीधा डर

4. तुमने बरसात में किसी तालाब को देखा होगा। गर्मी में इसी तालाब में क्या–क्या अंतर आ जाता है ? सोचो और लिखो।

5. बताओ– विद्यालय आते समय रास्ते में तुम्हें–

- कौन–कौन से पेड़ दिखाई देते हैं?
- कौन–कौन से पशु–पक्षी दिखाई देते हैं ?
- यातायात के कौन–कौन से साधन दिखाई देते हैं ?

6. तुम्हारे अनुसार कोई चीज खूबसूरत कब होती है ?

7. हमें किनका सम्मान करना चाहिए और क्यों ?

8. सही बात पर ✓ का निशान लगाओ–
- पेड़ वातावरण को शुद्ध रखते हैं ? (हाँ / नहीं)
- हरे पेड़ों को काटना चाहिए ? (हाँ / नहीं)

पाठ 16

घुमक्कड़ तारक

एक तालाब के किनारे पन्ना और पंखी दो हंस रहते थे। उसी तालाब में तारक नाम का कछुआ भी रहता था। तीनों में बड़ी दोस्ती थी। हंस तो दूर–दूर तक उड़कर चक्कर लगा आते थे, लेकिन कछुआ तालाब के आगे कभी नहीं गया था। हंस उसे रोज नई–नई बातें सुनाया करते थे।

एक दिन तारक ने हंसों से कहा कि उसे भी घुमाने ले चलें। हंस तैयार हो गए और उसको साथ लेकर आकाश में उड़ चले।

हंस

तारक को दूर तक फैला आकाश और समुद्र बहुत अच्छा लगा। अचानक उसने समुद्र में पानी की ऊँची–ऊँची लहरें उठते देखीं। खुश होकर वह हँस पड़ा। जैसे ही उसका मुँह खुला वह गहरे समुद्र में जा गिरा।

तारक चकित रह गया। वह तो एक दूसरे ही संसार में आ गया था। यहाँ तो चारों ओर पानी ही पानी था। वह जहाँ जाता उसे छोटे बड़े हजारों पौधे, तरह तरह के कीड़े–मकोड़े और जीव– जंतु दिखाई देते। अचानक उसे एक बहुत बड़ा कछुआ दिखाई दिया। वह तारक

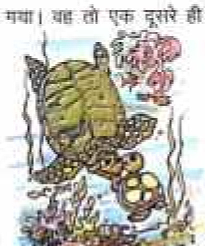

को बहुत ध्यान से देख रहा था। वह कछुआ बोला, "अरे भई, तुम कहाँ से आए हो? तुम्हारा नाम क्या है ?"

तारक ने कहा, "मेरा नाम तारक है। मैं दूर देश से सैर करने आया हूँ। आपका क्या नाम है ?"

ह्वेल मछली

"मुझे हीरक कहते हैं। मेरे साथ चलो, मैं तुम्हें समुद्र की सैर करा दूँगा।" हीरक उसे अपने साथ ले गया। "इसे देखो, तारक! यह ह्वेल है। यह हाथी से कई गुना बड़ी होती है"– हीरक ने बताया।

डॉलफिन मछलियाँ

अचानक एक ओर से उछलती–कूदती मछलियों का एक झुंड आता दिखाई दिया। तारक ने पूछा , "अरे, ये क्या हैं ?" हीरक ने बताया– "ये डॉलफिन मछलियाँ हैं। इन्हें बातूनी मछलियाँ भी कहते हैं। ये अपने करतब से लोगों का मनोरंजन करती हैं। इन्होंने कई बार समुद्र में डूबते लोगों को बचाया भी है।"

ऑक्टोपस

तारक को यह सुनकर बड़ा आनंद आया। हीरक मुस्कराया और बोला, "समुद्र में और भी बहुत से अदभुत प्राणी हैं, तारक !" दोनों तैरते हुए मूँगे की एक बहुत बड़ी चट्टान पर जा बैठे। वहाँ से तारक ने बड़े–बड़े घोंघे, केकड़े, रंगीन मछलियाँ, पाँच कोने वाली सितारा मछली, झींगे और स्पंज देखे। एक ओर से आठ हाथों वाला ऑक्टोपस चला जा रहा था।

तारक बोला, "समुद्र तो अचरज से भरा पड़ा है।" हीरक उसे ऐसी मछलियाँ

दिखाने ले गया जिनकी आँखों से तेज रोशनी निकल रही थी। कई मछलियों की आकृति साँप और घोड़े जैसी भी थी।

समुद्री जीव–जंतु

"अचरज भरा समुद्र देखकर मेरा जी करता है कि मैं यहीं रह जाऊँ" हीरक बोला, "जरूर, तुम खुशी से यहाँ रहो।" तारक तबसे गहरे समुद्र में रहने लगा।

अभ्यास

1. उत्तर लिखो–

(क) तारक ने समुद्र में क्या–क्या देखा ?

(ख) कौन-सा जीव हाथी से कई गुना बड़ा होता है ?

(ग) कौन–सी मछली बातूनी कहलाती है ?

(घ) हीरक और तारक में कौन बड़ा था ?

2. सोचो और बताओ –

(क) हंस का जोड़ा 'तारक' को आकाश में किस तरह ले गया होगा ?

(ख) पन्ना और पंखी को ढूँढ़ते ढूँढ़ते बहुत दिन बाद तारक मिला। तारक ने उनसे क्या क्या बातें की होंगी ?

3. समुद्र में पाए जाने वाले जीव– जन्तुओं के चित्र बनाओ और रंग भरो।

मीठे बोल

मीठा होता खस्ता खाजा
मीठा होता हलुआ ताजा।
मीठे होते गट्टे गोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

मीठे होते आम निराले
मीठे होते जामुन काले।
मीठे होते गन्ने गोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

मीठा होता दाख छुहारा
मीठा होता शक्कर पारा।
मीठा होता रस का घोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

मीठी होती पुआ सुहारी
मीठी होती कुलफी न्यारी।
मीठे रसगुल्ले अनमोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

– सोहन लाल द्विवेदी

❀ बच्चे पाठ का स्वयं अध्ययन करें। कक्षा में पाठ पर आधारित गतिविधि कराएँ। बच्चों को मीठे बोल, स्नेहपूर्ण शब्दों, आदर सूचक सम्बोधन तथा स्वागत सूचक शब्दों की जानकारी दें।

पाठ 17

लोकगीत

हमारे गाँव और घरों में बहुत से अवसरों पर गीत गाए जाते हैं। ये गीत अक्सर समूह में गाए जाते हैं। गाते समय कोई बाजा भी बजाते हैं। ये गीत हमारी बोली के गीत हैं। इन गीतों को लोकगीत कहते हैं। रविंदर की कक्षा में शिक्षक ने अपने मोबाइल फोन पर बच्चों को लोकगीत सुनाए। तुम भी पढ़ो–

ब्रजभाषा

आज बिरज में होरी रे रसिया।
होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया।।
उड़त गुलाल लाल भए बादर।
केसर रंग में बोरी रे रसिया।।
बाजत ताल, मृदंग, झाँझ, ढप।
और नगारे की जोरी रे रसिया।।

भोजपुरी

सुंदर सुभूमि भइया भारत के देसवा से।
मोरे प्रान बसे हिम–खोह रे बटोहिया,
एक द्वार घेरे राम हिम–कोतवलवा से,
तीन द्वार सिंधु घहराये रे बटोहिया।

अवधी

बाबा निमिया कै पेड़ जिनि काटेउ
निमिया चिरैया के बसेर,
बलैया लेहु बीरन की।
हो मोरे बाबा।
बाबा सगरी चिरैया उड़ि जइहैं
रहि जइहैं निमिया अकेल,
बलैया लेहु बीरन की।
हो मोरे बाबा।

बुन्देली

देखो सखी वर्षा ऋतु आई।
नाचत मोर, कोकिला बोलत,
चातक, दादुर शोर मचाई।
घुमड़–घुमड़ गरजत घन तड़कत,
कारी घटा नभ देत दिखाई।।

अभ्यास

1. क. तुम भी अपने क्षेत्र (इलाके) में गाया जाने वाला कोई लोकगीत लिखो।
   ख. क्या तुम यह गीत गा सकते हो ? गाकर सुनाओ।
   ग. इस लोकगीत पर एक चित्र बनाओ।

पाठ 18

पत्र

चेन्नई

प्रिय वहीदा, 05.02.2017

यहाँ आए पाँच दिन हो गए हैं। रोज कहीं न कहीं घूमने जाते हैं। वहाँ तो ठंड होगी, यहाँ बहुत गर्मी है। यहाँ जब लोग आपस में बात करते हैं तो मेरी समझ में नहीं आता है। मजे की बात बताऊँ ! यहाँ समोसे भी चावल के आटे के बनते हैं। मैंने यहाँ पर इडली, डोसा, साँभर, उपमा खूब खाए। यहाँ हर घर में नारियल और केले के पेड़ लगे हैं।

यहाँ आदमी कमीज और सफेद लुंगी पहनते हैं। लड़कियाँ फूलों का गजरा (वेणी) लगाती हैं।

समुद्र देखकर मैं तो दंग रह गई। इतना पानी, इतना पानी और उसमें इतनी ऊँची–ऊँची लहरें कि देखकर आनंद आ गया। हमने यहाँ का अजूबा साँपघर भी देखा। इन पाँच दिनों में मैंने तमिल भाषा के कुछ शब्द भी सीख लिए हैं।

बातें इतनी हैं कि मैं सब कुछ नहीं लिख पा रही हूँ। बाकी बातें आकर बताऊँगी। यहाँ के कुछ चित्र भेज रही हूँ।

तुम्हारी

सरोज

अभ्यास

1. पाठ के आधार पर उत्तर दो –
   - क. सरोज ने पत्र किसको लिखा है ?
   - ख. यह पत्र कहाँ से लिखा गया है ?
   - ग. सरोज ने चेन्नई में क्या–क्या देखा ?
   - घ. दूसरी भाषाएँ सीखने से क्या लाभ होता है ?
2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –
   - क. मैंने यहाँ पर .... खाए।
   - ख. यहाँ पर समोसे भी .... आटे से बनते हैं।
   - ग. लड़कियाँ .... लगाती हैं।
3. वाक्य बनाओ–

   प्रेम सादगी लहरें सीप नारियल
4. बहुवचन बनाओ –

   स्त्री लहर लड़की सीपी समोसा
5. पत्र एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचता है ? पता करो और लिखो।
6. पत्र भेजने के लिए अन्तर्देशीय पत्र, लिफाफा, पोस्टकार्ड का प्रयोग किया जाता है। तुम भी एक लिफाफा बनाओ।
7. नीचे दिए गए अन्तर्देशीय पत्र पर अपने मित्र का नाम और पता लिखो–

❀ बच्चों को पत्र लेखन के विविध प्रकारों से परिचित कराएँ। कोई विषय देकर पत्र लिखने के लिए प्रेरित करें। डाकघर का भ्रमण कराएँ।

पाठ 19

सुभाष चंद्र बोस

कुछ वर्ष पहले भारत अंग्रेजों के अधीन था। पूरे देश में जगह–जगह उनके शासन का विरोध हो रहा था। भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अनेक लोगों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। सुभाष चंद्र बोस उनमें से एक थे।

सुभाष चंद्र बोस का जन्म कटक में 23 जनवरी, 1897 को हुआ था। यह स्थान उड़ीसा राज्य में है। उनके पिता सरकारी वकील थे। पाँच वर्ष की उम्र से उनकी शिक्षा प्रारम्भ हुई। वे पढ़ने में बहुत अच्छे थे। हमेशा कक्षा में प्रथम आते थे।

बी०ए० उत्तीर्ण होने के बाद सुभाष चंद्र बोस ने इंग्लैंड जाकर आई०सी० एस० की परीक्षा पास की। सरकारी नौकरी के लिए यह उस समय की सबसे कठिन परीक्षा मानी जाती थी। भारत लौटने पर उन्होंने तय किया कि वे नौकरी नहीं करेंगे। उस समय देश में स्वतंत्रता के लिए आंदोलन चल रहा था। सुभाष चंद्र बोस ने गुलाम भारत को आजाद कराने का प्रण लेते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया।

सन् 1938 में उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। अप्रैल 1939 में उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और 'फॉरवर्ड ब्लॉक' नामक दल की स्थापना की।

सन् 1939 ई. में द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया। सुभाष चन्द्र बोस अंग्रेज शासन के विरुद्ध युद्ध करने के पक्ष में थे। इस पर अंग्रेज सरकार ने उन्हें नज़रबन्द कर दिया। सुभाष चन्द्र बोस ने सोचा कि देश को आजाद कराने के लिए देश से बाहर जाकर संघर्ष करना होगा।

काबुली पठान के वेश में पुलिस से बचते हुए वे अफगानिस्तान पहुँचे। वहाँ से जर्मनी और फिर जापान गए। जापान से वह बर्मा (म्यांमार) आए, जहाँ उन्होंने भारतीय सैनिकों के सहयोग से बनी 'आजाद हिन्द फौज' का नेतृत्व किया। उन्होंने **'दिल्ली चलो'** का नारा दिया और जवानों से कहा **"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"** उनका **'जय हिन्द'** नारा बहुत प्रचलित हुआ।

देशवासी सुभाष चन्द्र बोस को 'नेता जी' कहकर पुकारते हैं।

अभ्यास

1. पाठ के आधार पर उत्तर दो –

   क. सुभाष चन्द्र बोस का जन्म कहाँ हुआ था ?

   ख. नेता जी ने नौकरी क्यों नहीं की ?

   ग. सुभाष चन्द्र बोस ने किस दल की स्थापना की ?

   घ. अंग्रेज सरकार ने सुभाष चन्द्र बोस को नज़रबन्द क्यों किया ?

2. सही जोड़ा बनाओ –

सन् 1897	द्वितीय विश्व युद्ध
सन् 1939	नेता जी का जन्म

3. क. पढ़ो, समझो और वाक्यों में प्रयोग करो –

उत्तीर्ण	–	परीक्षा में सफल होना
युद्ध	–	लड़ाई
आजाद	–	स्वतंत्र
प्रण	–	निश्चय

क्रांति — आंदोलन

वेश — पहनावा

ख. विलोम शब्द लिखो –

अस्वस्थ	....	जन्म	....
स्वतंत्र	....	उत्तीर्ण	....

4. पता करो –

क. स्वतंत्रता आंदोलन के कुछ और सेनानियों के नाम ।

ख. युद्ध से क्या-क्या हानियाँ होती हैं ?

5. लिखने के लिए –

क. नेता जी के जीवन की चार प्रमुख घटनाएँ अपनी कॉपी में लिखो।

ख. 'स्वतंत्र' एक शब्द है। इसमें 'ता' जोड़कर 'स्वतंत्रता' शब्द बनता है। इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों में 'ता' जोड़कर नए शब्द बनाओ।

सुन्दर	....	सज्जन	....	कोमल	....
वीर	....	उदार	....	कठोर	....

ग. 'उड़ीसा' एक राज्य का नाम है। कुछ और राज्यों के नाम लिखो।

....

घ. 'कटक' एक स्थान का नाम है। ऐसे ही पाँच और स्थानों के नाम लिखो और उन स्थानों को नक्शे में ढूँढ़ो।

....

6. बड़ों से पता करो– तुम्हारे आस-पास ऐसे कौन जीवित व्यक्ति हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया हो।

- *किसी अन्य स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी की कहानी बच्चों को सुनाएँ।*
- *सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर बाल गोष्ठी आयोजित कराएँ।*

पाठ 20

भारत है मेरा घर

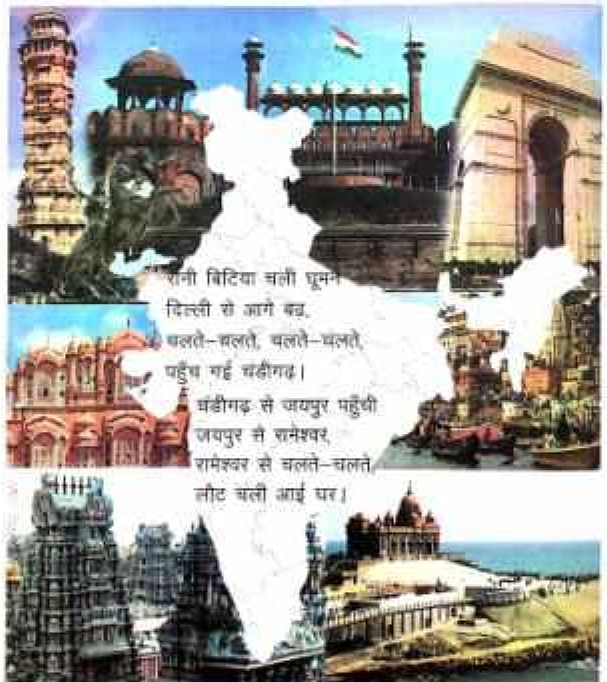

रानी बिटिया चली घूमने
दिल्ली से आगे बढ़,
चलते-चलते, चलते-चलते,
पहुँच गई चंडीगढ़।
चंडीगढ़ से जयपुर पहुँची
जयपुर से रामेश्वर,
रामेश्वर से चलते-चलते
लौट चली आई घर।

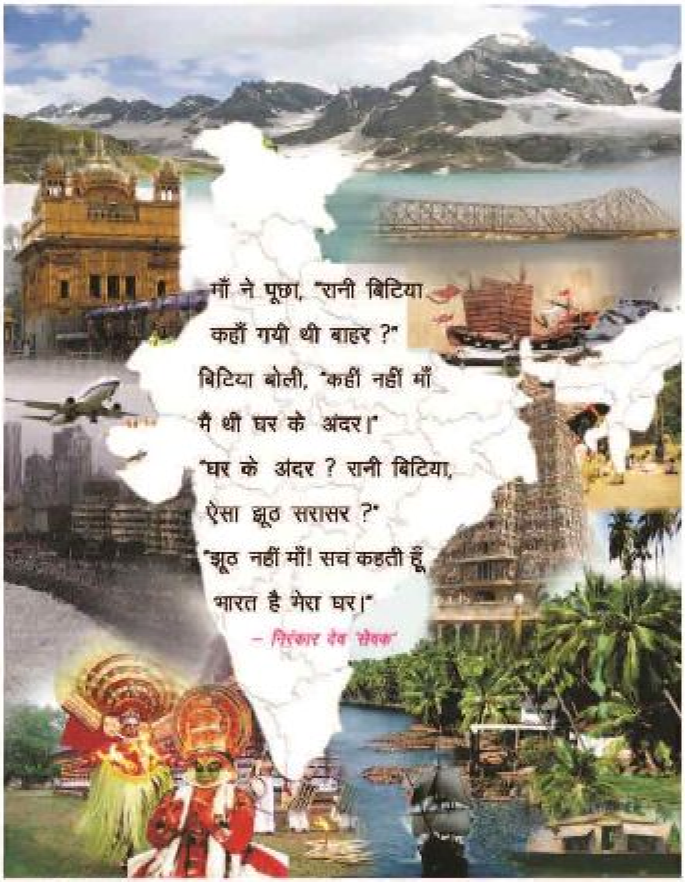

अभ्यास

1. उत्तर दो –

   क. रानी बिटिया कहाँ से चली थी ?

   ख. रामेश्वर के पहले वह कहाँ–कहाँ गई ?

   ग. माँ ने रानी बिटिया से क्या पूछा ?

   घ. बिटिया ने बाहर जाने को 'घर के अंदर' क्यों कहा ?

2. एक जैसे तुक वाले नगरों के जोड़े बनाओ –

   चंडीगढ़ जयपुर इलाहाबाद चेन्नई

   जोधपुर बल्लभगढ़ मुम्बई फैजाबाद

3. विलोम लिखो –

   कड़ा .... , झूठ .... , आग .... , संतोष ....

4. 'बेटी' का बहुवचन 'बेटियाँ' हैं। ऐसे ही इन शब्दों का बहुवचन भी लिखो–

   मिठाई .... , सीढ़ी .... , चूड़ी .... , कहानी .... , गाड़ी ....

5. सही जगह पर विराम चिह्न लगाओ –

रजिया बाजार गई उसके साथ छोटा भाई था उन्होंने बहुत सारा सामान खरीदा बाजार में वे दोनों बहुत देर तक घूमते रहे सामान लेकर वह दोनों घर लौटे तो माँ ने पूछा इतनी देर तक कहाँ थे

6. शिक्षक की सहायता से कविता में दिए गए चित्रों के बारे में पता करो।

7. क्या तुम्हें देशप्रेम की कोई कविता याद है ? अपनी कक्षा में गाकर सुनाओ।

8. इस कविता को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखो।

9. ऐसे वाक्यों की रचना करो जिनमें –

क. **और, किंतु, या** शब्द का प्रयोग हुआ हो।

ख. **यह, वह, इसमें, उसने** तथा **तुम** सर्वनाम शब्दों का प्रयोग हुआ हो।

10. इसे भी पढ़ो –

एक सड़क जाती दिल्ली को,
और दूसरी अमृतसर,
तीसरी जाती है कोलकाता,
चौथी जाती रामनगर ।

एक सड़क मेरी पहचानी,
जो कि मुझे ले जाती स्कूल
जहाँ खिले रहते बगिया में,
पीले, लाल, गुलाबी फूल।

- रोचक प्रसंगों के माध्यम से बच्चों में देश-प्रेम की भावना विकसित करें।
- मानचित्र में बच्चों को कविता में आए शहरों का स्थान बताएँ।
- कविता के भाव से मिलते-जुलते गीत, प्रसंग, कविताएँ बच्चों को सुनाएँ/सुनें।

पाठ 21

घमंडी का बाग

स्कूल से लौटकर सभी बच्चे घमंडी के बाग में खेलते थे। वह बाग नरम हरी घास वाला और बड़ा सुंदर था। पेड़ की टहनियों पर चिड़ियाँ गाती तो बच्चे उन्हें सुनने के लिए खेलना बंद कर देते थे। "यहाँ हम कितने खुश हैं" वे एक दूसरे से कहते।

एक दिन घमंडी वापस आ गया। उसने अपने बाग में बच्चों को खेलते देखा। "तुम सब यहाँ क्या कर रहे हो ?" वह चिल्लाया। सारे बच्चे वहाँ से भाग गए।

"यह मेरा बाग है और यह सिर्फ मेरे लिए है", घमंडी ने कहा। उसने बाग के चारों ओर एक ऊँची चहारदीवारी बनाई । उसके बाहर एक बोर्ड टाँग दिया – बाग में आना सख्त मना है।

अब बच्चों के खेलने के लिए कोई जगह नहीं बची।

बसंत का मौसम आया। सभी जगह छोटे–छोटे फूल खिलने लगे। नन्हीं चिड़ियाँ चहकने लगीं परन्तु घमंडी के बाग में अभी भी जाड़ा ही था। वहाँ थी केवल बर्फ और ठंडी हवा। हवा ने कहा "हमें ओलों को भी बुलाना चाहिए।" फिर क्या था, हर दिन तीन घंटे बड़े–बड़े ओले बरसने लगे।

घमंडी सोचता जल्दी ही मौसम बदलेगा, लेकिन न बसंत आया और न ही गर्मी। एक दिन घमंडी अपने पलंग पर लेटा था। उसे मधुर संगीत सुनाई दिया। एक छोटी–सी चिड़िया उसकी खिड़की के बाहर गा रही थी। उसने बाहर झाँका तो देखा – दीवार के एक छेद से कई बच्चे बाग में घुस आए थे। वे पेड़ों की डालियों पर बैठे थे। पेड़ बच्चों का साथ पाकर बहुत खुश थे। उनकी कलियाँ खिलखिला रहीं थीं। बाग के एक कोने में एक छोटा–सा लड़का खड़ा था। वह इतना छोटा था कि उसके हाथ पेड़ की टहनियों को छू नहीं पा रहे थे। वह टहनियाँ पकड़ने के लिए

बार–बार कूद रहा था। न छू पाने पर वह जोर–जोर से रो भी रहा था। "चढ़ो बेटा", पेड़ ने कहा और अपनी डालियों को नीचे झुका दिया, लेकिन वह लड़का बहुत छोटा था।

यह सब देखकर घमंडी का दिल पिघल गया। "मैं कितना बुरा हूँ", घमंडी ने सोचा। "अब मुझे पता चला कि बसंत मेरे बाग में क्यों नहीं आया। मैं उस छोटे लड़के को पेड़ पर बैठा दूँगा, उसके बाद मैं इस चहारदीवारी को गिरा दूँगा, जिससे बच्चे मेरे बाग में खेलते रहें।" घमंडी को अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। वह दबे पाँव बाग में पहुँचा, परन्तु बच्चे उसे देखते ही वहाँ से भाग गए। सिर्फ वह छोटा लड़का नहीं भागा। घमंडी चुपके से उसके पीछे गया और उसने उस लड़के को प्यार से उठाकर पेड़ पर बैठा दिया।

छोटे लड़के ने खुशी से अपने हाथ फैलाए और घमंडी के गले में डाल दिए। बाकी बच्चों को भी लगा कि अब घमंडी बदल गया है। "बच्चो ! यह बाग अब तुम्हारा है", घमंडी ने कहा। लोगों ने देखा बगीचे मे बच्चों के साथ घमंडी खेल रहा है।

बच्चे रोज छुट्टी के बाद बाग में खेलने लगे। अब घमंडी कहने लगा, "मेरे बाग में बहुत से सुंदर फूल हैं, लेकिन इनमें सबसे सुंदर फूल तो ये बच्चे ही हैं।"

(आस्कर वाइल्ड की कहानी का रूपान्तर)

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

   क. बच्चे घमंडी को देखकर क्यों भागे ?

   ख. घमंडी के बाग में फूल क्यों नहीं आए ?

   ग. घमंडी का दिल क्या देखकर पिघल गया ?

   घ. घमंडी ने बच्चों को सबसे सुंदर फूल क्यों कहा ?

   ङ अपनी चीजों को दूसरों के साथ बाँटने पर तुम्हें कैसा लगता है ?

   च. इस कहानी का और क्या शीर्षक हो सकता है ?

2. वाक्य पूरे करो –

   क. घमंडी ने कहा, "यह .... ।

   ख. उसने बगीचे के बाहर एक .... लगा दिया।

   ग. लोगों ने देखा .... में .... के साथ .... भी खेल रहा है।

3. कुछ और फूलों के नाम जोड़ो –

   कनेर, गेंदा, गुलाब, ..., ..., ..., ...

4. अपने माता–पिता से पूछकर ऋतुओं के नाम लिखो –

   ....

5. तुम बहुत से खेल खेलते होगे। किसी एक खेल के बारे में अपनी कॉपी में लिखो कि उसे कैसे–कैसे खेलते हैं ?

6. इस पाठ में आए संज्ञा, सर्वनाम तथा क्रिया शब्दों को ढूँढ़कर लिखो।

7. कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ।

कहानी पर कक्षा में अभिनय कराएँ एवं बच्चों को इसी प्रकार की रोचक कहानियाँ सुनाएँ।

अपने आप 4

मेजर शैतान सिंह

भीषण सर्दी पड़ रही थी। पाँच हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित रेजांगला पहाड़ी भी उस सर्दी से मानो काँप रही थी। इस भयानक सर्दी में भी मेजर शैतान सिंह अपनी कंपनी के साथ देश की सीमा की रक्षा के लिए डटे हुए थे।

18 नवम्बर, 1962 को चीन की सेना ने भारी संख्या में इस चौकी पर हमला कर दिया। चीनी सैनिकों के पास बड़ी–बड़ी तोपें थीं। वे गोले बरसाते हुए आगे बढ़ने लगे।

मेजर शैतान सिंह ने अपनी कम्पनी के जवानों के साथ बहादुरी से मुकाबला किया। उन्होंने मोर्चा कमजोर नहीं होने दिया। शत्रु सेना को भारी नुकसान हुआ। सैकड़ों चीनी सैनिक हताहत हुए।

मेजर शैतान सिंह का शरीर छलनी हो गया था। बाहें बुरी तरह घायल हो चुकी थीं। बहुत खून बह रहा था, किंतु वह मोर्चे से हटने को तैयार न थे। उनके साथियों ने कई बार कोशिश की कि उन्हें अस्पताल भेज दें, लेकिन वह अडिग रहे। उन्होंने शत्रु से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की।

मेजर शैतान सिंह से प्रेरणा पाकर उनकी कम्पनी का एक–एक जवान अंतिम साँस तक लड़ता रहा।

कुमाऊँ रेजीमेंट के वीर मेजर शैतान सिंह को इस अटूट साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान किया गया।

* बच्चे पाठ का स्वयं अध्ययन करें। बच्चों को वीरों की बहादुरी संबंधी अन्य सामग्री पढ़ने को दें।

कितना सीखा ?

1. उत्तर दो–

क. फूलों ने जड़ को खूबसूरत क्यों कहा ?

ख. तारक कछुआ ने समुद्र में क्या–क्या देखा ?

ग. सुभाष चन्द्र बोस ने जवानों से क्या कहा ?

घ. बच्चों को भगा देने से घमंडी के बाग पर क्या प्रभाव पड़ा ?

ङ. शेर सिंह का व्यवहार किए घटना से बदल गया ?

2. नीचे दिए गए शब्दों का अर्थ लिखो –

सलोना बदसूरत जमीन हताहत नेतृत्व दुर्घटना

....

3. क. पुस्तक में तुम्हें सबसे अच्छी कहानी कौन–सी लगी और क्यों ?

....

ख. कौन–सी कविता अच्छी लगी और क्यों ?

....

4. नीचे लिखे वाक्यों में सही विराम चिह्न छाँटकर लगाओ–

(?) (।) (!) (,) (–)

(क) तुम शहर कब जाओगे

(ख) अहा जलेबी मिल रही है

(ग) इतना बड़ा रसगुल्ला

(घ) रामेश्वरम् के पहले रानी बिटिया कहाँ कहाँ गई

(ङ) गीता मीना और सुनील मेला देखने गए

(च) गुलमोहर झुलस गया एक दम ठूँठ सा हो गया

5. इस चिट्ठी में खाली स्थानों को भरो –

मेरी प्यारी गोलू,

आज मैंने खूब होली खेली। मैंने सुबह उठते ही .... घोला। उसे .... में भरकर सबको रंग डाला। सब पूरी तरह से .... गए। माधव ने मेरे ऊपर .... डाला। बहुत ....आया। तुमने होली कैसे ...., बताना।

तुम्हारी

शैलू

6. नीचे दिए गए शब्दों में 'ता' जोड़कर नये शब्द बनाओ –

स्वतंत्र	दुर्बल	पराधीन	मानव	सत्य
....	....	....	....	....

7. इन वाक्यों को ठीक (शुद्ध) करके लिखो –

क. मैं खाना खाया।

ख. उसने पानी पी।

ग. चिड़िया डाल पर बैठा।

घ. लोकेश और लता झूला झूलता है।

8. अपने मनपसंद खेल के विषय में बताओ–

क. किस–किस के साथ खेलते हो ?

ख. किन–किन चीजों के साथ खेलते हो ?

ग. नियम कौन बनाता है ?

घ. कितनी देर तक खेलते हो ?

ङ. हार–जीत के समय क्या होता है ?

Table of Contents

- Table of Contents
- कलरव कक्षा ३
- 1
- 2
- 3
- 4
- 5
- 6
- 7
- 8
- 9
- 10
- 11
- 12
- 13
- 14
- 15
- 16
- 17
- 18
- 19
- 20
- 21